क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ
निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

प्रश्न:

वे झूठे भविष्यवक्ता जो सच्चे परमेश्वर को वास्तव में नहीं जानते, वे फिर भी यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ कैसे निकाल सकते हैं?
क्या वे परमेश्वर की सामर्थ से ऐसा करते हैं — या शैतान की सामर्थ से?

उत्तर: झूठे भविष्यवक्ताओं का रहस्य समझना

इस प्रश्न को सही तरह समझने के लिए हमें बाइबल और आत्मिक दृष्टि से देखना होगा।
बाइबल में — और आज के समय में भी — झूठे भविष्यवक्ताओं के दो प्रकार पाए जाते हैं:

1. वे जो पूरी तरह शैतान की शक्ति से चलते हैं (पूर्णतः धोखे में)

ऐसे लोग पूरी तरह से दुष्टात्मिक प्रभाव में रहते हैं।
वे यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार नहीं करते, न ही वे वास्तव में उसके नाम को बुलाते हैं।

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ
निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

वे मसीही रूप धारण करके गुप्त या तांत्रिक रीति से काम करते हैं — जैसा कि पौलुस कहता है:

“वे भक्ति का रूप तो रखते हैं, पर उसकी सामर्थ को नहीं
मानते।”
(2 तीमुथियुस 3:5)

वे धार्मिक दिखते हैं, वचन उद्धृत करते हैं, पर भीतर से वे भेड़ की खाल में भेड़िए हैं।

मत्ती 7:15
“झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो तुम्हारे पास
भेड़ों के भेस में आते हैं, पर भीतर से फाड़ डालने वाले
भेड़िए हैं।”

2. वे जो यीशु का नाम तो लेते हैं, पर उससे कोई सच्चा संबंध नहीं रखते

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ
निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

यह वर्ग और भी खतरनाक है क्योंकि वे सच्चे सेवक जैसे लगते हैं। कुछ लोग पहले परमेश्वर के साथ चलते थे, पर अब भटक गए हैं; कुछ सेवा को अपने लाभ का साधन बना लेते हैं
(फिलिप्पियों 3:18–19 देखें)।
कुछ को कभी परमेश्वर से कोई सच्ची आत्मिक वरदान या अभिषेक मिला था, पर अब वे आज्ञा उल्लंघन में जी रहे हैं।

फिर भी, उनके सेवकाई में कभी-कभी चमत्कार होते हैं। ऐसा क्यों?

बाइबिल का उदाहरण: मूसा और चट्टान (गिनती 20:7–12)

परमेश्वर ने मूसा से कहा कि चट्टान से बात करो, पर उसने उस पर डंडा मारा।
फिर भी पानी निकला।

गिनती 20:11
“तब मूसा ने अपना हाथ उठाया और अपनी लाठी से चट्टान को दो
बार मारा। तब बहुत सा पानी निकला, और मंडली और उनके पशु पीने लगे।”

यह दिखाता है कि परमेश्वर अपनी दयालुता के कारण कभी-कभी अपने

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

लोगों के लिये फिर भी कार्य करता है,
भले ही नेता अवज्ञाकारी हो।
लेकिन वह नेता फिर भी परिणामों का सामना करता है।

आत्मिक वरदान परमेश्वर की स्वीकृति का प्रमाण नहीं हैं

भविष्यवाणी, आरोग्य, या चमत्कार जैसी आत्मिक वरदानें
हमेशा परमेश्वर की प्रसन्नता या आत्मिक परिपक्वता का चिन्ह नहीं होतीं।

रोमियों 11:29
“क्योंकि परमेश्वर के वरदान और बुलाहट अटल हैं।”

इसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति वरदान में कार्य करता रह सकता है, भले ही वह विश्वास से गिर गया हो।
परंतु यीशु ने स्पष्ट कहा है कि चमत्कार उद्धार का प्रमाण नहीं हैं।

मत्ती 7:22–23
“उस दिन बहुत से मुझसे कहेंगे, ‘हे प्रभु, हे प्रभु, क्या

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ
निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

हमने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माएँ नहीं निकालीं, और तेरे नाम से बहुत से आश्चर्यकर्म नहीं किए?’
तब मैं उनसे स्पष्ट कह दूँगा, ‘मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना;
हे अधर्म करनेवालो, मुझसे दूर हो जाओ।’”

तो सच्चे भविष्यवक्ता और सेवक को कैसे पहचानें?

उनकी शक्ति से नहीं, बल्कि उनके फल से।

मत्ती 7:16, 20
“उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे… इसलिये उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।”

दो प्रकार के फल जिन्हें परखना चाहिए:

1. उनके जीवन का फल (चरित्र)

क्या वे परमेश्वर के वचन के अनुसार जीते हैं?

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ
निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

क्या उनके जीवन में पवित्र आत्मा के गुण दिखाई देते हैं?

गलातियों 5:22–23
“पर आत्मा का फल है: प्रेम, आनन्द, शान्ति, धैर्य, कृपा, भलाई, विश्वासयोग्यता, नम्रता और संयम।”

जो व्यक्ति पाप, लालच या स्वार्थ में जीता है —
भले ही चमत्कार करे — वह मसीह का सच्चा सेवक नहीं है।

2. उनके सेवकाई का फल (प्रभाव)

क्या उनके शिक्षण के अधीन लोग भक्ति और पवित्रता में बढ़ रहे हैं?
यदि लोग दुनियावी, अवज्ञाकारी या अपरिवर्तित बने रहते हैं, तो वह सेवकाई परमेश्वर की फल नहीं दे रही।

2 पतरस 2:1–2
“जैसे लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता हुए, वैसे ही तुम्हारे बीच भी झूठे शिक्षक होंगे… और बहुत से उनके दुष्कर्मों का

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ
निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

अनुसरण करेंगे, और इस कारण सत्य का मार्ग बदनाम होगा।”

एक और उदाहरण: झूठा बूढ़ा भविष्यद्वक्ता (1 राजा 13:11–32)

इस कथा में, एक बूढ़ा भविष्यद्वक्ता एक युवा भविष्यद्वक्ता से झूठ बोलता है और उसे पतन में ले आता है।
फिर भी, बाद में उसे एक सच्चा दर्शन मिलता है।

यह दिखाता है कि कोई व्यक्ति भविष्यवाणी की वरदान में काम कर सकता है,
भले ही वह धोखे में पड़ गया हो।
इसलिए, वरदान किसी के आत्मिक दर्जे का प्रमाण नहीं हैं।

1 यूहन्ना 4:1
“हे प्रियों, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, पर आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं या नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता संसार में निकल गए हैं।”

यूहन्ना 10:41

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ
निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

“यूहन्ना ने कोई चिन्ह नहीं किया, पर जो कुछ उसने इस मनुष्य
के विषय में कहा, वह सब सत्य निकला।”

तो सच्चे भविष्यद्वक्ता, पास्टर, प्रेरित या शिक्षक को कैसे पहचानें?

उनकी शक्ति या चमत्कारों से नहीं —
बल्कि उनके जीवन के चरित्र और सेवकाई के फल से।

क्या वे लोगों को पवित्रता, सत्य और मसीह के समान जीवन की ओर ले जाते हैं?
यदि हाँ, तो उनका कार्य परमेश्वर से है।
क्योंकि चमत्कार धोखा दे सकते हैं, पर फल कभी झूठ नहीं बोलते।

मत्ती 7:21
“हर एक जो मुझसे कहता है, ‘हे प्रभु, हे प्रभु,’ स्वर्ग के
राज्य में प्रवेश नहीं करेगा,
पर वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पूरी करता है।”

प्रभु हमें इन अन्तिम दिनों में समझ, नम्रता और ज्ञान दे।

क्यों झूठे भविष्यवक्ता यीशु के नाम से दुष्टात्माएँ निकालते हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

आमीन।

Share on:
WhatsApp